उ0प्र0 कृषि अनुसंधान परिषद
U.P. COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH
निकट राजकीय उद्यान, करियप्पा मार्ग, आलमबाग, लखनऊ–226005
Near Rajkiya Udhyan, Cariappa Road, Alambagh, Lucknow-226005

पत्रांकः 1550/एनआरएम/डब्लूबीएसएलएएजी/पीएल/2021 दिनॉकः 06–02–2025

दिनांक : 06 फरवरी, 2025
समय : 12:00 बजे
स्थान : उपकार सभाकक्ष
उपस्थिति : संलग्न

मौसम आधारित राज्य स्तरीय कृषि परामर्श समूह (क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप) की वर्ष 2024-25 की चौबीसवीं बैठक की कृषकों के उपयोगार्थ संस्तुतियॉं

क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की वर्ष 2024-25 की चौबीसवीं बैठक डा. विनोद कुमार तिवारी, प्रभारी महानिदेशक, उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद की अध्यक्षता में दिनांक 06 फरवरी, 2025 को परिषद के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के मौसम वैज्ञानिक; आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या के राईस ब्रीडर; आंचलिक भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, अमौसी, लखनऊ; भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ; कृषि विभाग; गन्ना विभाग; वन विभाग; उ. प्र. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लखनऊ के प्रतिनिधि, राहत आयुक्त के प्रतिनिधि तथा उपकार के वैज्ञानिकों/अधिकारियों ने भाग लिया। उक्त के अतिरिक्त बैठक में सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ; केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी; आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या के पूर्व गेहूं प्रजनक; बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा; बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के वैज्ञानिकों/अधिकारियों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया।

आगामी सप्ताह का मौसम पूर्वानुमान (07 फरवरी 2025- 13 फरवरी 2025)

भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार इस सप्ताह (07 फरवरी 2025-13 फरवरी 2025) के दौरान प्रदेश के सभी कृषि जलवायु अंचलों में मौसम मुख्यतया शुष्क रहने की संभावना है। प्रदेश के विंध्य क्षेत्र के दक्षिणी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान सामान्य से आंशिक रूप से अधिक जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास रहने की संभावना है। इस सप्ताह के आरंभिक चरण 7 फरवरी तक (आगामी 48 घंटे) तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट तथा उसके बाद 8 फरवरी से तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस बढ़ोत्तरी होने की संभावना है।

प्रदेश के भाभर तराई क्षेत्र के पश्चिमी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस भाभर तराई क्षेत्र के पूर्वी भाग, पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के उत्तरी भाग एवं मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस, बुंदेलखंड एवं विंध्य के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 28 से 30 डिग्री सेल्सियस जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह 26 से 28 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

प्रदेश के समस्त कृषि जलवायु अंचलों में औसत साप्ताहिक न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास रहने की संभावना है। प्रदेश के भाभर तराई क्षेत्र के पश्चिमी भाग एवं पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के उत्तरी भाग तथा बुंदेलखंड क्षेत्र के दक्षिणी भाग में औसत न्यूनतम तापमान 06 से 08 डिग्री सेल्सियस उत्तर-पूर्वी मैदानी एवं पूर्वी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग तथा मध्य मैदानी क्षेत्र के उत्तरी भाग में औसत न्यूनतम तापमान 10

से 12 डिग्री सेल्सियस जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह 08 से 10 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। इस सप्ताह के आरंभिक चरण में सामान्य से तेज गति से हवायें चलने की संभावना है।

आगामी द्वितीय सप्ताह के मौसम का दृष्टिकोण (14 फरवरी 2025-20 फरवरी 2025)

प्रदेश के भाभर तराई एवं मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के पूर्वी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान सामान्य से आंशिक रूप से (1 -2) अधिक जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास रहने की संभावना है।

प्रदेश के भाभर तराई क्षेत्र के पश्चिमी भाग एवं पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के उत्तरी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 21 से 24 डिग्री सेल्सियस भाभर तराई एवं पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के शेष भाग, मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग तथा दक्षिणी-पश्चिमी अर्द्धशुष्क मैदानी एवं मध्य मैदानी क्षेत्र के उत्तरी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह 26 से 28 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। प्रदेश के समस्त कृषि जलवायु अंचलों में औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से आंशिक रूप से (1 -2 डिग्री सेल्सियस) कम रहने की संभावना है। प्रदेश के भाभर तराई, पश्चिमी मैदानी, बुंदेलखंड एवं विंध्य क्षेत्र के अधिकांश भाग तथा दक्षिणी-पश्चिमी अर्द्धशुष्क मैदानी क्षेत्र के पश्चिमी भाग में औसत न्यूनतम तापमान 08 से 10 जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह 10 से 13 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

मौसम के परिप्रेक्ष्य में किसानों को फसल प्रबन्धन हेतु निम्नलिखित सुझाव दिये जाते हैं:-

- फरवरी माह में प्रभावी वर्षा का पूर्वानुमान नहीं होने के कारण अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने के संभावना है अतः कृषक गेहूं के खेतों में नमी बनाये रखने के लिये 10 से 15 दिनों के अंतराल पर निरंतर सिंचाई करते रहें तथा तापमान की तत्कालीन स्थिति के बारे में निरंतर जानकारी लेते रहें।
- तेज हवायें चलने के पूर्वानुमान के दृष्टिगत रही हो तो अधिक सिंचाई से बचें अन्यथा फसल गिर सकती है।
- लालसड़न रोग से संक्रमित गन्ने की किस्म को.-0238 की बुवाई न करें।
- अगेती आलू की खुदाई के बाद ग्रीष्मकालीन मक्का, मूंग एवं सूरजमुखी की बुवाई हेतु खेत को तैयारी करें।
- आम की फसल में बौर निकलने के समय भुनगा कीट का प्रकोप दिखाई पड़ने पर इमिडाक्लोप्रिड अथवा क्यूनॉलफॉस 2 मि.ली. को प्रति ली. पानी में घोलकर बनाकर छिड़काव करें।

गेहूँ की खेती

- गेहूँ की खड़ी फसल में यदि जिंक की कमी के लक्षण दिखाई दे तो जिंक सल्फेट का प्रयोग खड़ी फसल में संस्तुत मात्रा के अनुसार करें।
- गेहूं में पत्ती धब्बा रोग के लक्षण दिखाई देने पर थायोफिनेट मिथाइल 70 प्रतिशत डब्लू.पी. की 700 ग्राम अथवा मैंकोजेब 75 डब्लू.पी. की 2.0 किग्रा. मात्रा प्रति हे. की दर से लगभग 750 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

रबी मक्का की खेती

- मक्के में फॉल आर्मी वर्म के नियंत्रण हेतु क्लोरेन्ट्रानिलीप्रोल 18.5 प्रतिशत एस.सी. 0.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी अथवा इमामेक्टिन बेनजोइट 0.4 ग्राम प्रति लीटर पानी अथवा थायोमेथाक्सॉम 2.6 प्रतिशत+लैम्बडासाइहैलोथ्रिन 9.5 प्रतिशत 0.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

तिलहनी फसलों की खेती

- राई/सरसों के प्रमुख कीट माहू तथा चित्रित बग के नियंत्रण हेतु डाईमेथोएट 30 प्रतिशत ई.सी. 1.0 ली. अथवा डाईक्लोरोवॉस 76 प्रतिशत ई.सी. 500 मि.ली. अथवा इमिडाक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत एस. एल., 250 मि.ली. मात्रा को 500 से 600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हे. की दर से छिड़काव करें।

दलहनी फसलों की खेती

- दलहनी फसलों में सेमीलूपर कीट के नियंत्रण हेतु फिप्रोनिल 5 एस.सी. 500 मि.ली. का 600 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हे. की दर छिड़काव करें।
- चने के खेत में यदि कटुआ कीट दिखाई दे रहे हों तो स्थान-स्थान पर बर्ड पर्चर लगायें तथा थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कई स्थानों पर घास-फूस रखें। प्रातःकाल फूस पर छिपे हुए कटुआ कीटों को इकट्ठा कर समाप्त करें।
- मटर में फलियां एवं दाना बनते समय आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।
- मटर/मसूर में फली छेदक/फली बेधक कीट के प्रकोप होने पर नियंत्रण हेतु फूल एवं फलियां बनते समय 5 फरोमोन ट्रैप और 2 प्रकार प्रपंच प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में लगायें तथा नीम के बीज आर्क (5 प्रतिशत) प्रति लीटर पानी के साथ छिड़काव करें या इमामैक्टिन बेन्जोएट 5 प्रतिशत एस. जी. का 5 ग्रा. 16 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें अथवा इंडोक्साकार्ब 14.5 प्रतिशत का 200 मि.ली. को 600 ली. पानी में मिलाकर फसल पर छिड़काव करें।

गन्ना की खेती

- बसन्तकालीन गन्ने की बुवाई हेतु नवीन उन्नत किस्मों यथा को.शा.-13235, को.लख.-14201, को. -15023, को.शा.-17231, को.शा.-18231, को.लख.-16202, को. शा.-16233, को. शा.-14233, को.-0118 तथा को.लख.-94184 आदि की बुवाई करें।
- बसंतकालीन गन्ना की बुवाई करते समय मृदा उपचार हेतु ट्राइकोडर्मा 4 कि.ग्रा. प्रति एकड़ की दर से मृदा में प्रयोग करें।
- बीज गन्ने के उपचार हेतु कार्बेन्डाजिम अथवा थायोफिनेट मिथाइल 0.1 प्रतिशत का प्रयोग करें।
- बसंतकालीन बुवाई हेतु 72 कि.ग्रा. नाइट्रोजन, 32 कि.ग्रा. फास्फोरस तथा 24 कि.ग्रा. पोटाश एवं 10 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट प्रति एकड़ की दर से उर्वरकों का प्रयोग करें।

जायद फसलों की खेती

- जायद में मक्के की बुवाई के लिये फरवरी का प्रथम सप्ताह सर्वोत्तम है अतः मक्का की संकुल किस्मों नवजोत, श्वेता, आजाद उत्तम, कंचन, गौरव व संकर किस्मों दक्कन-115, एम.एम.एच.-133, प्रो-4212, हरे भुट्टे माधुरी, प्रिया शिशु मक्का हेतु बी.एल.-42, प्रकाश, पूसा अगेती संकर मक्का-2 की बुवाई करें।
- उर्द की सम्पूर्ण उ.प्र. हेतु संस्तुत प्रजातियों यथा प्रताप उर्द-1, वल्लभ उर्द-1, आई.पी.यू. 11-2, पंत उर्द-10, आई.पी.यू. 13-1, टाइप-9, नरेन्द्र उर्द-1, आजाद उर्द-1, उत्तरा, आजाद उर्द-2, व शेखर-2 आदि की बुवाई का समय 15 फरवरी है। अतः बीज की व्यवस्था करें।
- जायद में सूरजमुखी की बुवाई का उपयुक्त समय फरवरी का दूसरा पखवारा है यथा सूरजमुखी की संकुल किस्मों मॉडर्न, सूर्या व संकर किस्मों के.वी.एस.एच.-1, एस.एच.-3322 व एम.ए.एफ.एच.-17 के बीज की व्यवस्था करें।

- खरबूजा की बुआई का समय 10-20 फरवरी तक है अतः कृषक संस्तुत प्रजातियों काशी मधु, पूसा शरबती, पूसा मधुरस, हरा मधु, पंजाब-सुनहरी तथा संकर किस्मों पंजाब संकर के बीज की व्यवस्था करें।
- तरबूज की बुआई का समय फरवरी से प्रारभ है अतः कृषक संस्तुत प्रजातियों सूगर बेबी, दुर्गापुर केसर, अर्का मानिक, दुर्गापुर मीठा, संकर किस्मों आर्का ज्योति के बीज की व्यवस्था करें।

सब्जियों की खेती

- टमाटर की ग्रीष्मकालीन फसल के लिये रोपाई एवं कद्दूवर्गीय फसलों तथा भिण्डी की बुवाई करें।
- आलू की अक्टूबर माह में बोई गई फसल फरवरी माह के अंत तक पक जाती है। अतः खुदाई से 10 दिन पहले आलू की बेल को काट दें, जिससे आलू पक जाय और छिलका मजबूत हो जाय।
- टमाटर में फलबेधक सूड़ी के नियंत्रण फ्लूबेंडीमाइड 20 मि.ली. प्रति 100 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।

बागवानी

- आम की फसल में बौर निकलने के समय भुनगा, गुजिया, मिज कीट का प्रकोप दिखाई पड़ने पर इमिडाक्लोप्रिड अथवा क्यूनॉलफॉस 2 मि.ली. को प्रति ली. पानी में घोलकर बनाकर छिड़काव करें।
- आम की फसल में गुजिया कीट (मिलीबग) के नियंत्रण के लिये लगाई गई पॉलीथीन पट्टी को कपड़े से साफ कर दें। यदि पॉलीथीन पट्टी सरक गई हो तो उसे ठीक कर दें।
- अमरूद एवं आम में उकठा रोग की रोकथाम हेतु कार्बेन्डाजिम के 0.1 प्रतिशत घोल का छिड़काव तथा 1 कि.ग्रा. ट्राईकोडर्मा को 70 से 80 कि.ग्रा. गोबर की सड़ी हुई खाद में मिलाकर 1 से 2 कि.ग्रा. प्रति थाला की दर से मिट्टी में मिलायें।
- बेल की फलों को चटकने और असमय गिरने से बचाने के लिये पेड़ के ऊपर फफूंदीनाशक कार्बेन्डाजिम+मैंकोजेब 02 ग्राम दवा या टेबुकोनाजोल 01 मिली या प्रोपीनेब 01 मि.ली. या क्रोसोसिम हाईफनमेथाइल+क्लोरोथालोनिल 01 मिली प्रति लीटर पानी या पोटेशियम सल्फेट 3 से 4 ग्रा. प्रति लीटर का छिड़काव 15 दिन के अंतराल पर 2 से 3 बार छिड़काव करें तथा पेड़ के जड़ क्षेत्र में सिंचाई करके नमी बनाये रखें।
- आंवलें की फसल में दीमक कीट से प्रभावित बाग में नियंत्रण हेतु ब्यूवेरिया वेसियाना 2 से 5 ग्रा. प्रति लीटर पानी में घोलकर तने के आस-पास की मिट्टी में मिला दें।

पशुपालन

- पी.पी.आर. का टीकाकरण 10.01.2025 से तथा खुरपका एवं मुंहपका बीमारी (एफ.एम.डी.) का टीकाकरण 15.02.2025 से पशुचिकित्सालयों पर निःशुल्क कराया जायेगा।
- उ.प्र. पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान, मथुरा द्वारा पशुओं को डूनिन ए.एस. खनिज मिश्रण तैयार किया गया है जिसको विश्वविद्यालय के निदेशक, शोध से 15 दिन पूर्व मांग पत्र भेजकर रू. 70 प्रति किलो दर से प्राप्त किया जा सकता है।
- पशुओं को अंतः कृमिनाशक एवं बाह्य परजीवीनाशक पशुचिकित्सक की सलाह से आवश्यकता पड़ने पर उपयोग करें।
- पशुओं को केवल हरा चारा न खिलायें उनको 60:40 के अनुपात में सूखा एवं हरा चारा मिलाकर खिलायें।

- कृषकों/पशुपालकों के द्वार पर पशुचिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु विभाग के द्वारा मोबाइल वेटनरी यूनिट योजना का संचालन किया जा रहा है। इस योजना का लाभ लेने हेतु सभी कृषक/पशुपालक टोल फ्री हेल्पलाइन नं.-1962 पर सम्पर्क पर योजना का लाभ ले सकते हैं।

मत्स्य पालन

- प्राकृतिक आहार की उपलब्धता तालाब में बनाने हेतु प्रति एकड़ प्रत्येक 10 से 15 दिनों के अंतराल पर 15 कि.ग्रा. चूना, 15 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट, 5 कि.ग्रा. मिनरल मिक्सचर एवं 50 कि.ग्रा. सरसों या राई की खली (पानी में फुलाकर) घोलकर तालाब में छिड़काव करना चाहिये।
- मत्स्य बीज उत्पादक कॉमन कार्प की ब्रीडिंग फरवरी माह से प्रारंभ कराने के लिये 15 से 20 दिन पूर्व नर एवं मादा कॉमन कार्प के प्रजनक मछली (ब्रूड) को दो अलग-अलग तालाबों में संचयन कर लें।
- कार्प मछली वाले तालाब में पानी का स्तर 5 से 6 फीट एवं पंगेशियस मछली वाले तालाब में पानी का स्तर न्यूनतम 8 से 10 फीट बनाये रखें। पंगेशियस के तालाबों में प्रतिदिन 10 से 20 प्रतिशत तक पानी का बदलाव ट्यूबवेल के पानी से करें।
- मछलियों को पैरासाइटिक संक्रमण एवं फफूंद से होने वाले संक्रमण से बचाव हेतु 40 से 50 कि.ग्रा. प्रति एकड़ की दर से नमक का घोल बनाकर छिड़काव करें या वी.के.सी. दवा 01 लीटर प्रति एकड़ की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- प्रजनक मछली (ब्रूड) ऑरगुल्स के संक्रमण से बचाने हेतु आवश्यकता अनुसार 80 से 100 मि.ली. प्रति एकड़ की दर से बुटॉक्स या क्लीनर या टिनिक्स का छिड़काव दिन में 10 बजे पूर्वाह्न से 2 बजे अपराह्न के बीच करें।

रेशम पालन

- एरी सेक्टर में बसंत व्यवसायिक फसल का कीट पालन 5 से 20 फरवरी के मध्य से तथा मलबरी (शहतूती) बसंत व्यवसायिक फसल का कीट पालन 20 फरवरी से प्रारंभ होने जा रहा है। अतः कीट पालकों को सुझाव दिया जाता है कि वह उपकरणों एवं कीट पालन भवन का समय से भलीभांति विशुद्धीकरण कर लें।

वानिकी

- नये पौधे के रोपण हेतु 45x45 से.मी. के गड्डे फरवरी माह में खोद लें।
- एक वर्ष पुराने रोपे गये पौधों में निराई गुड़ाई तथा सिंचाई के साथ-साथ मल्चिंग भी कर दें।
- पॉपलर की कटिंग क्यारियों में लगा दें। बकैन जैसे पतझड़ी पौधों का रोपण कर दें।

राज्य आपदा प्रबंधन

- डूबने के कारण हुई मृत्यु के केस में पीड़ित परिवार को सरकार द्वारा रू. 40.00 लाख की अहैतुक सहायता दी जाती है।
- भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर शांति व धैर्य बनाये रखें तथा धक्का मुक्की कर भगदड़ जैसी स्थिति न पैदा करें।

क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की अगली बैठक दिनॉक 20 फरवरी, 2025 को अपराह्न 12:00 बजे आयोजित की जायेगी।

नोटः- क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की बैठक की संस्तुतियां वेबसाईट **upcar.up.gov.in** पर भी उपलब्ध हैं।

- क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की बैठक की संस्तुतियां किसान मित्र ए.आई. चैट बॉट **www.kisanmitraup.ai** पर भी उपलब्ध हैं। किसान भाई इस पर भी सवाल पूछ सकते हैं।

- क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की संस्तुतियां कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा एफ.पी.ओ. को प्रेषित की जा रही हैं, इनसे अनुरोध है कि यदि इनके कोई सुझाव हो तो परिषद के ईमेल **upcar12@gmail.com** पर प्रेषित करने का कष्ट करें जिससे आगामी बैठकों में उनके सुझावों पर चर्चा कर संस्तुतियां दी जा सकें।

6-2-25

(विनोद कुमार तिवारी)
प्रभारी महानिदेशक

प्रतिलिपिः उपरोक्त की प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निजी सचिव, माननीय मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन को माननीय मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
2. निजी सचिव, माननीय राज्य मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन को माननीय राज्य मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
3. निजी सचिव, माननीय अध्यक्ष, को माननीय अध्यक्ष जी के अवलोकनार्थ।
4. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उ.प्र. शासन, लखनऊ।
5. निजी सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. शासन को महोदय के सूचनार्थ।
6. प्रमुख सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन, लखनऊ।
7. अपर मुख्य सचिव, उद्यान, उ.प्र. शासन।
8. अपर मुख्य सचिव, पशुपालन, उ.प्र. शासन।
9. अपर मुख्य सचिव, मत्स्य, उ.प्र. शासन।
10. अपर मुख्य सचिव, रेशम, उ.प्र. शासन।
11. अपर मुख्य सचिव, नियोजन योजना भवन, लखनऊ।
12. कुलपति, च.शे.आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर, आ.न.दे.कृ. एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मोदीपुरम, मेरठ, बॉदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बॉदा, सै. हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
13. गन्ना आयुक्त, गन्ना आयुक्त कार्यालय, 17 न्यू बेरी रोड, गन्ना किसान संस्थान, डालीबाग, लखनऊ।
14. आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद उ.प्र., केसरबाग, लखनऊ।
15. राहत आयुक्त, उ.प्र. को इस आशय से प्रेषित कि वह ग्राम प्रधान को समूह की संस्तुतियां प्रेषित करेगें।
16. अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उ. प्र. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, लखनऊ।
17. समस्त जिलाधिकारी, उ.प्र.।
18. निदेशक कृषि, कृषि भवन, लखनऊ।
19. निदेशक, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, रायबरेली रोड, लखनऊ।
20. निदेशक, केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ।
21. निदेशक, राष्ट्रीय मत्स्य आनुवांशिकी संसाधन ब्यूरो, लखनऊ।
22. अध्यक्ष, केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, लखनऊ।
23. निदेशक, उ.प्र. गन्ना शोध परिषद, शाहजहांपुर।
24. निदेशक, रेशम, रेशम विभाग, गोमती नगर, लखनऊ।
25. निदेशक, मत्स्य, मत्स्य निदेशालय, फैजाबाद रोड, लखनऊ।
26. निदेशक, उद्यान, उद्यान विभाग, लखनऊ।
27. निदेशक, पशुपालन, पशुपालन विभाग, लखनऊ।
28. निदेशक, राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, रहमानखेड़ा, लखनऊ।

29. प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, वन विभाग, 17 राणा प्रताप मार्ग, नरही, लखनऊ।
30. प्रबन्ध निदेशक, बीज विकास निगम, बादशाहनगर, लखनऊ।
31. निदेशक, सांख्यिकी, कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश।
32. निदेशक प्रसार, च.शे.आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर/ आ.न.दे.कृ. एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या/ सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मोदीपुरम, मेरठ/ बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बाँदा/ सै. हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
33. निदेशक, दूरदर्शन, लखनऊ।
34. निदेशक, आकाशवाणी, लखनऊ।
35. निदेशक, रिमोट सेन्सिग एप्लीकेशन सेण्टर, सेक्टर जी, जानकीपुरम, कुर्सी रोड, लखनऊ।
36. निदेशक, कृषि मौसम, मौसम केन्द्र, अमौसी, लखनऊ।
37. निदेशक सूचना, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उ.प्र. लखनऊ।
38. अपर कृषि निदेशक(सामान्य), कृषि निदेशालय, कृषि भवन, लखनऊ।
39. अपर कृषि निदेशक, प्रसार, कृषि भवन, लखनऊ।
40. अपर कृषि निदेशक, कृषि रक्षा, कृषि भवन, लखनऊ।
41. संयुक्त कृषि निदेशक, शोध एवं मृदा सर्वेक्षण, कृषि भवन, लखनऊ को किसान कॉल सेंटर के उपयोगार्थ प्रेषित।
42. कृषि विभाग के सभी संयुक्त कृषि निदेशक।
43. कृषि विभाग के सभी उप कृषि निदेशक।
44. समस्त जिला कृषि अधिकारी।
45. प्रदेश के 20 कम्युनिटी रेडियो।
46. समस्त वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, उ.प्र।
47. प्रदेश के 1500 एफ.पी.ओ.
48. किसान मित्र चैट बॉट, कृषि समृद्धि टीम, कृषि विभाग, लखनऊ।
49. बैठक में उपस्थित संबंधित अधिकारी/वैज्ञानिक।
50. निजी सचिव महानिदेशक, उपकार को महानिदेशक महोदय के सूचनार्थ।

5-2-25

(विनोद कुमार तिवारी)
प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी एवं सदस्य सचिव

मौसम आधारित राज्य स्तरीय कृषि परामर्श समूह (क्राप वेदर वाच ग्रुप) की वर्ष 2024-25 की चौबीसवीं बैठक दिनांक 06 फरवरी, 2025 की उपस्थिति

1. डा. विनोद कुमार तिवारी, प्रभारी महानिदेशक, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ।
2. डा. ए. अरूणाचलम, निदेशक, केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी (ऑनलाइन)।
3. डा. टी.के. श्रीवास्तव, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी मौसम विभाग, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, रायबरेली रोड, लखनऊ।
4. श्री बलराम वर्मा, उपकृषि निदेशक (प्रसार) कृषि भवन, लखनऊ।
5. श्री अशोक कुमार, सहायक कजरवेटर ऑफ फारेस्ट, वन विभाग, उत्तर प्रदेश।
6. श्री अमर सिंह, संयुक्त गन्ना आयुक्त, गन्ना विभाग, उत्तर प्रदेश।
7. श्री अशोक कुमार, एसटीए-बी, धान्य फसलें, कृषि विभाग, उ.प्र.।
8. श्री पी.के. नायक, एसटीए-ए, धान्य फसलें, कृषि विभाग, उ.प्र.।
9. डा. एस.एन. पाण्डेय, एग्रोमेट्रोलाजिस्ट/नोडल ऑफिसर चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर।
10. डा. सौरभ दीक्षित, राईस ब्रीडर, क्राप रिसर्च स्टेशन, मसौधा, आचार्य, नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या।
11. डा. जय पाल, वैज्ञानिक अधिकारी, उपकार, लखनऊ।
12. डा. अनुष्का पाण्डेय, प्रोग्राम मैनेजर, क्राप वेदर वॉच ग्रुप, उपकार, लखनऊ।
13. श्री अतुल कुमार सिंह, प्रभारी वैज्ञानिक, आंचलिक भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, अमौसी, लखनऊ।
14. श्री कुंदन सिंह, पादप रक्षा विभाग, कृषि विभाग, लखनऊ
15. मु. आरिफ, परियोजना प्रबंधक, राहत आयुक्त कार्यालय, एनेक्सी
16. श्री अमित कुमार, ओ.एस.डी, राहत आयुक्त कार्यालय, एनेक्सी
17. श्रीमती प्रियंका द्विवेदी, प्रोजेक्ट एक्सपर्ट, उ.प्र. डिजास्टर मैनेजमेंट एथारिटी, प्रथम तल पिकअप भवन, गोमती नगर, लखनऊ
18. डा. प्रिया रंजन कुमार, सह प्राध्यापक (पशुचिकित्सा), बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी (ऑनलाइन)।
19. डा. दिनेश शाह, प्राध्यापक, शस्य विज्ञान एवं इंचार्ज, एग्रोमेट आबजरवेट्री, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा (ऑनलाइन)।
20. डा. सुरेन्द्र कुमार सिंह, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (कीट विज्ञान विभाग), बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा (ऑनलाइन)।
21. डा. यू.पी. शाही, प्राध्यापक मृदा विज्ञान एवं प्रधान अन्वेषक, ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (जीकेएमएस) (ऑनलाइन)।
22. डा. चंद्रकात तिवारी, सहायक प्राध्यापक, वन जीव विज्ञान एवं वृक्ष सुधार विभाग, बांदा कृषि एवं प्रौ. वि. वि., बांदा (ऑनलाइन)।
23. डा. विनोद सिंह, पूर्व गेहूं प्रजनक, आचार्य, नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या (ऑनलाइन)।